BSES

बीएसईएस टीम के साथ फिर मारपीट, हमलावर गिरफ्तार

- अक्टूबर, 2007 से नहीं कर रहा था बिल का भुगतान
- घरेलू इस्तेमाल के लिए कनेक्शन लिया था, पर कर रहा था व्यावसायिक उपयोग
- 40 हजार से अधिक का था बकाया

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 2008। बकाया न चुकाने पर बिजली काटने, और बिजली के गलत इस्तेमाल को रोकने गई बीएसईएस टीम के साथ एक बार फिर मारपीट की गई, जिसमें कंपनी के एक असिस्टमेंट मैनेजर को काफी चोटें आई हैं। मामला चायना मार्केट, करोल बाग का है। हालांकि बीएसईएस की शिकायत पर तुंरत कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया। विभिन्न धाराओं के तहत उन पर मामला दर्ज किया गया है।

दरअसल, चायना मार्केट, करोल बाग स्थित दुकान संख्या **WEA 14 A/34** पर बीएसईएस का 40 हजार रूपये से भी अधिक बकाया चल रहा था और उपभोक्ता ने अक्टूबर, 2007 से ही बिजली बिल का भुगतान नहीं किया था। साथ ही, वह बिजली का गलत उपयोग भी कर रहा था। बकाये का भुगतान करने के लिए बीएसईएस ने कई बार उपभोक्ता को नोटिस भेजा, लेकिन उस पर कोई फर्क नहीं पड़ा। भुगतान न करने पर सप्लाई काटने के अपने कानूनी अधिकार का प्रयोग करते हुए जब बीएसईएस टीम यहां उपभोक्ता की सप्लाई काटने पहुंची, तो वहां मौजूद विपिन, मनोज और उमाशंकर ने बीएसईएस टीम के साथ मारपीट शुरू कर दी, जिसमें कंपनी के एक असिस्टमेंट मैनेजर को काफी चोटें आईं।

बीएसईएस ने मामले की जानकारी पुलिस को दी और पुलिस ने तुंरत कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस सिलसिले में करोल बाग पुलिस में एक एफआईआर दर्ज कराई गई है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही, पुलिस की मदद से बीएसइएस ने उपभोक्ता की बिजली सप्लाई काट कर, वहां से बिजली का मीटर भी उतार लिया है।

गौरतलब है कि यह इलाका भयानक बिजली चोरी वाले इलाकों में शुमार किया जाता है। जहां तक चायना मार्केट की बात है, तो इस व्यावसायिक इलाके में 50 फीसदी से भी अधिक की बिजली चोरी है और यहां बिजली चोरी पकड़ने आने वाली टीमों को भी आए दिन उपभोक्तओं के दुर्व्यवहार का शिकार होना पड़ता है।

बहरहाल, बीएसईएस कर्मचारियों पर हमले की यह कोई पहली घटना नहीं है। बिजली चोरी पकड़ने गई एन्फोर्समेंट टीमों के साथ, आए दिन दुर्व्यवहार व धक्का मुक्की ही नहीं, उन पर हमले भी होते रहते हैं और कई बार तो उन्हें पकड़कर गोदामों में बंद भी कर दिया जाता है। बिजली चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि बीएसईएस टीमों के साथ सीआईएसएफ और पुलिस की मौजूदगी के बावजूद टीमों पर हमले नहीं रूके हैं। और यह सब तब हो रहा है, जब एन्फोर्समेंट टीमें बिजली चोरी को कम करने की अपनी वैधानिक जिम्मेदारी निभा रही होती हैं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– **39999870/ 9312007822**

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– **39999088/ 9350130304**